DrGenius Academy

Learning with DrGenius Academy

REET

SYLLABUS

LESSON LAST A LIFETIME

SYLLABUS (LEVEL - 1)

प्रश्न पत्र 1, शीर्षक-बाल विकास एवं शिक्षण विधिया

- बाल विकास : वृद्धि एवं विकास की संकल्पना, विकास के विभिन्न आयाम एवं सिद्धान्त, विकास को प्रभावित करने वाले कारक (विशेष रूप से परिवार एवं विद्यालय के संदर्भ में) एवं अधिगम से उनका संबंध ।
- वंशानुक्रम एवं वातावरण की भूमिका।
- व्यक्तिगत विभिन्नताएँ : अर्थ, प्रकार एवं व्यक्तिगत विभिन्नताओं को प्रभावित करने वाले कारक।
- व्यक्तित्व : संकल्पना, प्रकार व व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक। व्यक्तित्व का मापन।
- बुद्धि : संकल्पना, सिद्धान्त एवं इसका मापन, बहुबुद्धि सिद्धान्त एवं इसके निहितार्थ।
- विविध अधिगमकर्ताओं की समझ : पिछडे, विमंदित, प्रतिभाशाली, सृजनशील, अलाभान्वित-वंचित, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे एवं अधिगम अक्षमता युक्त बच्चे।
- अधिगम में आने वाली कठिनाइयाँ।
- समायोजन की संकल्पना एवं तरीके, समायोजन में अध्यापक की भूमिका
- अधिगम का अर्थ एवं संकल्पना। अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक।
- अधिगम के सिद्धान्त एवं इनके निहितार्थ।
- बच्चे सीखते कैसे है ? अधिगम की प्रक्रियाएँ। चिन्तन, कल्पना एवं तर्क
- अभिप्रेरणा व इसके अधिगम के लिए निहितार्थ।
- शिक्षण अधिगम की प्रक्रियाएँ, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 के संदर्भ में शिक्षण अधिगम की व्यूह रचना एवं विधियाँ।
- आकलन, मापन एवं मूल्यांकन का अर्थ एवं उद्देश्य, समग्र एवं सतत् मूल्यांकन, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण। सीखने के प्रतिफल
- क्रियात्मक अनुसन्धान
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 अध्यापकों की भूमिका एवं दायित्व।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)
- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा
- बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान
- स्कूलो में पाठ्यक्रम एवं शिक्षण शास्त्र
- शिक्षक
- समतामूलक एवं समावेषी शिक्षा
- स्कूल शिक्षा के लिए मानक निर्धारण एवं प्रत्यापन
- राजस्थान की समसामयिक बाल कल्याणकारी शैक्षिक योजनाएं

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (II) खण्ड का शीर्षक : भाषा 1 हिंदी

- एक अपठित गद्यांश में से निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्न :
- पर्यायवाची, विलोम, वाक्याशों के लिए एक शब्द, शब्दार्थ, शब्द शुद्धि। उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, अव्यय
- एक अपठित गद्यांश में से निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रश्न :
- रेखांकित शब्दों का अर्थ स्पष्ट करना, वचन, काल, लिंग ज्ञात करना। दिए गए शब्दों का वचन, काल और लिंग बदलना
- वाक्य रचना, वाक्य के अंग, वाक्य के प्रकार, पदबंध, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, विराम चिह्न।
- भाषा की शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषा दक्षता का विकास
- भाषायी कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढना, लिखना) हिंदी भाषा शिक्षण में चुनौतियाँ, शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठय पुस्तक, बहु माध्यम एवं शिक्षण के अन्य संसाधन।
- भाषा शिक्षण में मूल्यांकन, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण, समग्र एवं सतत् मूल्यांकन, उपचारात्मक शिक्षण
- राजस्थानी भाषा एवं बोलियों का सामान्य परिचय।

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम सत्र 2024-2025 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

PAPER -1, SECTION-(II) , ENGLISH (LANGUAGE – I)

- Unseen Prose Passage
- Synonyms, Antonyms, Spellings, Word-formation, One Word Substitution
- Unseen Prose Passage Parts of Speech, Tenses, Determiners, Degrees of comparison
- Framing Questions Including Wh-questions, Active and Passive Voice, Narration, Knowledge of English Sounds and Phonetic Symbols
- Principles of Teaching English, Methods and Approaches to English Language Teaching
- Development of Language Skills, Teaching Learning Materials (Text books, MultiMedia Materials and other Resources)
- Comprehensive & Continuous Evaluation, Evaluation in English Language.

➢ The criteria for multiple choice questions will be based on the syllabus prescribed by the State Government for classes 1 to 5 session 2024-2025 but the selection and difficulty level of the questions will be up to the secondary (class 10) level.

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (II) खण्ड का शीर्षक : भाषा 1 संस्कृत

- एकम् अपठितं गद्यांशम् आधारीकृत्य निम्नलिखित-व्याकरण-संबंधिनः प्रश्नाः।
- शब्दरूप-धातुरूप्-कारक-विभक्ति-उपसर्ग-प्रत्यय-संधि-समास-सर्वनाम-विशेष्य-विशेष-अव्ययेषुप्रश्नाः।
- एकम् अपठितं गद्यांशम् राजस्थानस्य इतिहासं कलां संस्कृतिं चाधारीकृत्य निम्नलिखित-बिन्दुसंबंधिनः प्रश्नाः।
- रेखांकितपदेषु क्रियापद-चयन-वचन-लकार-लिंग-संधि-समास-विशेष्य-विशेषणज्ञान-विलोमशब्दा-प्रश्ना।
- लकारपरिवर्तन-प्रश्नाः (लट्-लङ्-लृट्-विधिलिङ्लकारेषु)
- संख्याज्ञान-माहेश्वर-सूत्र-संबंधितः प्रश्नाः।
- संस्कृतानुवादः वाच्यपरिवर्तनम् (लट्-लकारस्य) वाक्येषु प्रश्ननिर्माणम्, अशुद्धिसंशोधनम्, संस्कृतसूक्तयः।
- संस्कृतभाषा - शिक्षण-विधयः।
- संस्कृतभाषा - शिक्षण-सिद्धान्ताः।
- संस्कृतभाषाकौशलस्य विकासः, (श्रवणम्, सम्भाषणम्, पठनम्, लेखनम्)
- संस्कृताध्यापनस्य अधिगमसाधनानि संस्कृतपाठयपुस्तकानि, संस्कृतशिक्षणे संप्रेषणस्य साधनानि।
- संस्कृतभाषा-शिक्षणस्य मूल्यांकन-संबंधिनः प्रश्नाः, मौखिक-लिखित प्रश्नानां प्रकार-सततमूल्यांकनम्, उपचारात्मकशिक्षणम्।

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (II) खण्ड का शीर्षक : भाषा 1 उर्दू

- نثری اقتباس پر مبنی سوالات:
- عبارت نمی ، معانی الفاظ ، اعراب، واحد جمع ، مذکر ۔ مؤنث، متضاد، مترادف
- نثری اقتباس پر مبنی سوالات:
- مواد کی سمجھ، فعل، فاعل، مف
- جملے کی اقسام، زمانہ
- اسم اور اس کی اقسام، ضمیر اور اس کی اقسام، صفت اور اس کی اقسام
- محاورے اور کہاوتیں، رموز اوقاف
- اصناف نثرو قم :
- اردو زبان کی تدریس کے مقاصد ، اُردو زبان کی تدریس کے اصول، تدریسی طریقہ کار
- بان کی مہارتیں)سنا، بولنا، پڑھنا، لکھنا اور ان کی نشوونما، اُردو نصاب تعلیم ، اُردو پڑھنا اور لکھنا
- سکھانے کے طریقے ، زبان کی تدریس میں معاون اشیاء
- جانچ اور اس کے طریقے، معروضی اور مسلسل جانچ اندازہ قدر(، سوالات اور ان کی قسمیں

➢ بہو وکلپ پرشنوں کا ماپدنڈ ککشا 1 سے 5 تک کے راجیہ سرکار دوارا نردھارت پاٹھیکرم ستر 2024-25 کے آدھار پر ہوگا لیکن پرشنوں کا چیون اوں کٹھنائی استر سیکنڈری (ککشا 10) تک کا ہوگا۔

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (II) खण्ड का शीर्षक : भाषा 1 सिंधी

- नसुर जा ॿ टुकिरा पैराग्राफ (गद्यांश) राजस्थान जे कला, साहित्य, संस्कृति जी ड़ाण बाबत दर्सी किताबनि खां सवाइ हूंदा जिन मां सुवाल पुछिया वेंदा-
- उनवान, ड़ुखियनि अख़रनि जी माना, अददु, जिंस, इस्म, सिफ़त, ज़मीर, फ़इल, ज़मान वग़ैरह
- टुकिरे में को इस्तलाहु या पहाको हुजे उन जी माना, अख्लाकी सिख्या
- गाल्हाइण जा अठ लफ्ज- मुख्तिसर ड़ाण
- सिंधी भाषा जी आईवेटा)वर्णमाला(, लिपियुनि जी ड़ाण
- साॻी माना वारा लफ्ज, लफ्जनि जी रचना अगियाडियूं ऐं पछाडियूं
- ज़िद, अददु, जिंस, ज़मान, इस्तलाह ऐं पहाका
- सिंधी भाषा बुधण, गाल्हाइणु, पढ़ण, ‌लिखण, ‌सिखण ऐं सेखारण जा तरीका
- सिंधी भाषा पढ़ण, पढ़ाइण, लिखिण, गाल्हाइण जो मूल्यांकन
- ज़िबानी ऐं लिखित सुवालनि जा किस्म।

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (II) खण्ड का शीर्षक : भाषा 1 पंजाबी

1. ਇੱਕ ਅਣਿਡੱਠੇ ਵਾਰਤਕ ਪੈਰੇ ਵਿਚ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਵਿਆਕਰਨ ਸੰਬੰਧੀ ਪਸ਼ਨ

ਤਤਸਮ ਸ਼ਬਦ, ਤਦਭਵ ਸ਼ਬਦ, ਦੇਸੀ ਸ਼ਬਦ, ਵਿਦੇਸੀ ਸ਼ਬਦ, ਬਹੁ-ਅਰਥਕ ਸ਼ਬਦ, ਸਮਾਨਾਰਥਕ ਸ਼ਬਦ, ਵਿਰੋਧੀ ਸ਼ਬਦ, ਬਹੁਤੇ ਸ਼ਬਦ ਦੀ ਥ ਇਕ ਸ਼ਬਦ, ਸ਼ੱਧ-ਅਸ਼ੱਧ ਸ਼ਬਦ ।

2. ਇੱਕ ਅਣਿਡੱਠ ਵਾਰਤਕ ਪੈਰੇ ਵਿਚ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਬਿੰਦੂਆਂ ਤੇ ਅਧਾਰਿਤ ਪਸ਼ਨ

ਔਖੇਸ਼ਬਦ ਦੇ ਅਰਥ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰਨਾ; ਲਿੰਗ, ਵਚਨ ਅਤੇ ਕਾਲ ਦੱਸਣਾ; ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸ਼ਬਦ ਦਾ ਲਿੰਗ, ਵਚਨ ਅਤੇ ਕਾਲ ਬਦਲਣਾ ।

3. ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ, ਪੰਜਾਬੀ ਦੀਆਂ ਉਪਭਾਸ਼ਾਵ, ਗੁਰਮੁਖੀ ਲਿਪੀ ਤੇ ਵਰਨਮਾਲਾ, ਲਗ-ਮਾਤਰ, ਲਗਾਖਰ, ਪੰਜਾਬੀ ਸਰ ਅਤੇ ਵਿਅੰਜਨ।

4. ਅਗੇਤਰ-ਪਿਛੇਤਰ, ਕਾਰਕ, ਵਿਸ਼ਰਾਮ-ਚਿੰਨ, ਅਖਾਣ ਅਤੇਮੁਹਾਵਰੇ ।

5. ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਿਧਆਪਨ ਦੇ ਸਿਧਤ ਅਤੇਸੂਤਰ, ਭਾਸ਼ਾਈ ਕੌਸ਼ਲ (ਸੁਣਨਾ, ਬੋਲਣਾ, ਪੜਨਾ, ਲਿਖਣਾ) ਦਾ ਵਿਕਾਸ, ਭਾਸ਼ਾ ਸਿੱਖਣ-ਸਿਖਾਉਣ ਦੀ ਸਮੱਗਰੀ, ਪਾਠ ਪੁਸਤਕ, ਭਾਸ਼ਾ ਪੁਸਤਕਾਲਾ ਤੇ ਪੜਨ ਰੁਚੀਆਂ ਨੰ ਵਿਕਿਸਤ ਕਰਨ ਦੇ ਢੰਗ ।

6. ਕਿਵਤਾ, ਕਹਾਣੀ, ਇਕਗੀ, ਵਾਰਤਕ ਅਤੇ ਵਿਆਕਰਨ ਸਿੱਖਿਆ ਦੀਆਂ ਵਿਧੀਆਂ ਤੇ ਉਦੇਸ਼, ਭਾਸ਼ਾ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਚ ਮੁਲਕਣ, ਨਿਰੰਤਰ ਅਤੇ ਵਿਆਪਕ ਮੁਲਾਂਕਣ

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (III) खण्ड का शीर्षक : भाषा 2 हिन्दी

- एक अपठित गद्यांश आधारित निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्न :
- युग्म शब्द, वाक्याशां के लिए एक शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, काल, शब्द शुद्धि, ।
- एक अपठित पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रश्न :-
  - ❖ भाव सौंदर्य
  - ❖ विचार सौंदर्य
  - ❖ नाद सौंदर्य
  - ❖ शिल्प सौंदर्य
  - ❖ जीवन दृष्टि
- वाक्य रचना, वाक्य के अंग, वाक्य के भेद, पदबंध, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, कारक चिह्न, अव्यय, विराम चिह्न।
- भाषा शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषायी दक्षता का विकास।
- भाषायी कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढना, लिखना) शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठय-पुस्तक, बहु-माध्यम एवं शिक्षण के अन्य संसाधन।
- भाषा शिक्षण के मूल्यांकन (सुनना, बोलना, पढना, लिखना) उपलब्धि परीक्षण का निर्माण, समग्र एवं सतत मूल्यांकन, उपचारात्मक शिक्षण।
- राजस्थानी भाषा की सामान्य जानकारी।

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

PAPER -1, SECTION-(III) , ENGLISH (LANGUAGE – II)

- Unseen Prose Passage
- Linking Devices, Subject-Verb Concord, Inferences
- Unseen Poem
- Identification of Alliteration, Simile, Metaphor, Personification, Assonance, Rhyme
- Modal Auxiliaries, Common Idioms and Phrases, Literary Terms Elegy, Sonnet, Short Story, Drama
- Basic knowledge of English Sounds and symbols.
- Principles of Teaching English, Communicative Approach to English Language Teaching, Challenges of Teaching English: Difficulties in learning English (role of home language, multilingualism)
- Methods of Evaluation, Remedial Teaching

➢ The criteria for multiple choice questions will be based on the syllabus prescribed by the State Government for classes 1 to 5 session 2024-2025 but the selection and difficulty level of the questions will be up to the secondary (class 10) level.

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (III) खण्ड का शीर्षक : भाषा 2 संस्कृतम्

- एकमपठितं गद्यांशमाधारीकृत्य निम्नलिखित-व्याकरण-सम्बन्धिनः प्रश्नाः

शब्दरूप-धातुरूप-कारक-विभक्ति-उपसर्ग-प्रत्यय-सन्धि-समास-सर्वनाम-विशेष्य-विशेषण-विलोमशब्द-कर्तृ-क्रियापदचयन-वचन-लकार-लिंग-अव्ययेषु प्रश्नाः।

- राजस्थानस्य इतिहासं कलां संस्कृतिं चाधारीकृत्य एकः अपठितः पद्यांशः वा श्लोकः उपर्युक्तं एकमपठितं पद्यांशं वा श्लोकमाधारीकृत्य निम्नलिखित-व्याकरण-सम्बन्धिनः प्रश्नाः
- सन्धि-समास-कारक-प्रत्यय-छन्द-लकार-विशेष्य-विशेषण-विलोमशब्द-क्रियापदचयन-वचन-लकार-लिंग-अव्यय-सम्बन्धिनः प्रश्नाः।
- संख्या-ज्ञानम्-
- माहेश्वरसूत्राणां सम्बन्धिनः प्रश्नाः।
- स्वर-व्यंजन-उच्चारणस्थानानि-
- समय-ज्ञानम्
- वाच्य-परिवर्तनम् (लट्-लकारे)
- संस्कृतानुवादः-
- अशुद्धिसंशोधनम्
- संस्कृत-सूक्तयः-
- लकारपरिवर्तन-प्रश्नाः-(लट्-लङ्-लृट्-विधिलिङ्-लकारेषु)
- रेखांकितपदानि आदृत्य प्रश्न-निर्माणम्-

I. संस्कृतभाषा-शिक्षण-विधयः।
II. संस्कृतभाषा-शिक्षण-सिद्धान्ताः।
III. संस्कृत-शिक्षणाभिरुचिप्रश्नाः।

- संस्कृतभाषाकौशलस्य विकासः, (श्रवणम्, सम्भाषणम्, पठनम्, लेखनम्)
- संस्कृतशिक्षणे-अधिगमसाधनानि, संस्कृतशिक्षणे संप्रेषणस्य साधनानि, संस्कृतपाठ्यपुस्तकानि।
- संस्कृतभाषाशिक्षणस्य मूल्यांकन-सम्बन्धिनः प्रश्नाः।
- मौखिक-लिखितप्रश्नानां प्रकाराः, सततमूल्यांकनम्, उपचारात्मक-शिक्षणम्।

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (III) खण्ड का शीर्षक : भाषा 2 उर्दू

- نثری اقتباس پر مبنی سوالات
- عبارت نیمی، فعل، فاعل، مفعول، جملے کی اقسام اور ہنیت ، زمانہ
- شعری جزو بند پر منی سوالات
- شعر فہمی ، معانی الفاظ، ردیف، قافیہ، تشبیہ نصیح، مبالغہ
- حروف اور اقسام حروف، اسم اور اس کی اقسام، ضمیر اور اس کی اقسام
- محاورے اور کہاوتیں، رموز اوقاف
- اُرد و املا اور رسم الخط، اُردو زبان کی تدریس اور لسانیات مصوتے اور مضمے
- اُردو زبان کی تدریس کے اصول، اُردو پڑھنا اور لکھنا سکھانے کے طریقے ، تدریسی طریقہ کار
- اُردو تدریس کے لیے منصوبہ بندی، سالانہ منصوبہ، یونٹ کا منصوبہ، سبق کا منصوبہ
- تدریس زبان کی مشکلات، جدید تدریسی طریقے، معروضی اور مسلسل جانچ اندازہ) قدر
- معالجاتی تدریس(Remedial Teaching)

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (III) खण्ड का शीर्षक : भाषा 2 सिंधी

- नसुर जो टुकिरो पैराग्राफ (गद्यांश) राजस्थान जे कला, साहित्य, संस्कृति जी ज़ाण बाबत दर्सी किताबनि खां सवाइ हूंदा जिन मां सुवाल पुछिया वेंदा
- उनवान, डुखयनि अख़रनि जी माना, अददु, जिंस, इस्म, सिफत, ज़मीर, फ़इल, ज़मान वग़ैरह
- टुकिरे में को इस्तलाहु या पहाको हुजे उन जी माना, अख्लाकी सिख्या
- नज्म, बैतु या कविता प)दयांशमां (सुवाल पुछिया वेंदा
- उनवान, डुखियनि अख़रनि जी माना, कविता सां वास्तो रखंदड़ सुवालनि जा जवाब वग़ैरह
- सिंधी भाषा जी आईवेटा)वर्णमाला(, लिपियुनि जी ज़ाण।
- ग्रामर-गाल्हाइणु, जा अठ लफ्ज मुख्तिसर ज़ाण
- ज़िद, अददु, जिंस, इस्तलाह, पहाका ऐं चवणियूं
- ख़त, दरख्वास्त, मजमून
- सिंधी भाषा बुधण, गाल्हाइणु, पढ़ण, लिखण, सिखण ऐं सेखारण जा तरीका
- सिंधी भाषा पढ़ण, पढ़ाइण, लिखण, गाल्हाइण जो मूल्यांकन।
- ज़िबानी ऐं लिखित सुवालनि जा किस्म।

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪਤ੍ਰ 1, ਖਣ੍ਡ - (III) ਖਣ੍ਡ ਕਾ ਸ਼ੀਰ੍ਸ਼ਕ : ਭਾਸ਼ਾ 2 ਪੰਜਾਬੀ

1. **ਇੱਕ ਅਣਿਡੱਠੇ ਵਾਰਤਕ ਪੈਰੇ ਵਿਚ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਵਿਆਕਰਨ ਸੰ ਬੰ ਧੀ ਪਸ਼ਨ**
   ਅਗੇਤਰ-ਪਿਛੇਤਰ, ਬਹੁ-ਅਰਥਕ ਸ਼ਬਦ, ਸਮਾਨਾਰਥਕ ਸ਼ਬਦ, ਵਿਰੋਧੀ ਸ਼ਬਦ, ਪੰਜਾਬੀ ਸ਼ਬਦ ਜੋੜ , ਲਿੰ ਗ, ਵਚਨ ਅਤੇਕਾਲ
2. ਇੱਕ ਅਣਿਡੱਠੇ ਕਾਵਿ-ਬੰਦ ਤੇ ਅਧਾਰਿਤ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਬਿੰ ਦੂਆਂ ਨਾਲ ਸੰ ਬੰ ਧਿਤ ਪਸ਼ਨ-

   ਵਿਚਾਰ-ਸੁਹਜ, ਭਾਵ ਸੰਦਰਤਾ, ਸ਼ੈਲੀ, ਪਸੰਗ, ਸਿੱਖਿਆ, ਰਸ, ਅਲੰ ਕਾਰ, ਛੰ ਦ, ਸੁਰ-ਤਾਲ, ਅਖਾਣ ਅਤੇ ਮੁਹਾਵਰੇ ।

3. ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ (ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਵਿਆਖਿਆ, ਪੰਜਾਬੀ ਦੀਆਂ ਉਪਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਦਾ ਵਰਗੀਕਰਨ ਅਤੇ ਖੇਤਰ), ਪੰਜਾਬੀ ਸਰ ਅਤੇ ਵਿਅੰਜਨ, ਪੰਜਾਬੀ ਵਰਨਮਾਲਾ, ਲਗਾਂ -ਮਾਤਰਾਂ, ਲਗਾਖਰ ਅਤੇਦੱਤ-ਅੱਖਰ ।
4. ਸ਼ਬਦ ਭੇਦ: ਨਾਂਵ, ਪੜਨਾਂਵ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ, ਕਿਰਿਆ, ਕਿਰਿਆ-ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ, ਸੰਬੰਧਕ, ਯੋਜਕ ਅਤੇ ਵਿਸਮਕ ।
5. ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਧਆਪਨ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਅਤੇਸੂਤਰ, ਭਾਸ਼ਾਈ ਕੌਸ਼ਲਾਂ (ਸੁਣਨਾ, ਬੋਲਣਾ, ਪੜਨਾ, ਲਿਖਣਾ) ਦਾ ਵਿਕਾਸ, ਭਾਸ਼ਾ ਸਿੱ ਖਣ-ਿਸਖਾਉਣ ਦੀ ਸਮੱਗਰੀ, ਪਾਠ ਪੁਸਤਕ, ਭਾਸ਼ਾ ਪੁਸਤਕਾਲਾ ਤੇ ਪੜਨ ਰੁਚੀਆਂ ਨੰ ਵਿਕਿਸਤ ਕਰਣ ਦੇਢੰਗ ।
6. ਕਿਵਤਾ, ਕਹਾਣੀ, ਇਕਾਂਗੀ, ਵਾਰਤਕ ਅਤੇ ਵਿਆਕਰਨ ਸਿੱਖਿਆ ਦੀਆਂ ਵਿਧੀਆਂ ਤੇ ਉਦੇਸ਼, ਭਾਸ਼ਾ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਚ ਮੁਲਾਂਕਣ, ਨਿਰੰਤਰ ਅਤੇ ਵਿਆਪਕ ਮੁਲਾਂਕਣ, ਦੇਖਣ-ਸੁਣਨ ਸਾਧਨ- ਅਰਥ, ਵੇਰਵਾ ਅਤੇ ਵਰਤ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ।

- ਬਹੁ ਵਿਕਲ੍ਪ ਪ੍ਰਸ਼ਨੋਂ ਕਾ ਮਾਪਦਣ੍ਡ ਕਕ੍ਸ਼ਾ 1 ਸੇ 5 ਤਕ ਕੇ ਰਾਜ੍ਯ ਸਰਕਾਰ ਦ੍ਵਾਰਾ ਨਿਰ੍ਧਾਰਿਤ ਪਾਠਯਕ੍ਰਮ ਸਤ੍ਰ 2024-25 ਕੇ ਆਧਾਰ ਪਰ ਹੋਗਾ ਲੇਕਿਨ ਪ੍ਰਸ਼ਨੋਂ ਕਾ ਚਯਨ ਏਵਂ ਕਠਿਨਾਈ ਸ੍ਤਰ ਸੈਕਣ੍ਡਰੀ (ਕਕ੍ਸ਼ਾ 10) ਤਕ ਕਾ ਹੋਗਾ।

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (IV), खण्ड का शीर्षक : गणित

- एक करोड़ तक की पूर्ण संख्याएँ, स्थानीय मान, तुलना, गणितीय मूल संक्रियाएँ -जोड़, बाकी, गुणा, भाग; भारतीय मुद्रा, वैदिक गणित।
- भिन्न की अवधारणा, उचित भिन्नें, समान हर वाली उचित भिन्नों की तुलना, मिश्र भिन्न, असमान हर वाली उचित भिन्नों की तुलना, भिन्नों की जोड़ बाकी, अभाज्य एवं संयुक्त संख्याएं, अभाज्य गुणनखण्ड, लघुत्तम समापवर्त्य महत्तम समापवर्तक।
- ऐकिक नियम, औसत, लाभ-हानि, सरल ब्याज।
- समतल व वक्रतल, समतल व ठोस ज्यामितीय आकृतियाँ समतल ज्यामितीय आकृतियों की विशेषतायें बिन्दु, रेखा, किरण, रेखा खण्ड, कोण एवं उनके प्रकार।
- लम्बाई, भार, धारिता, समय, क्षेत्रमापन एवं इनकी मानक इकाइयां एवं उनमें संबंध वर्गाकार तथा आयताकार वस्तुओं के पृष्ठ तल का क्षेत्रफल एवं परिमाप।
- गणित की प्रकृति एवं तर्क शक्ति
- पाठ्यक्रम में गणित की महत्ता
- गणित की भाषा
- सामुदायिक गणित
- आंकडो का प्रबंधन।
- औपचारिक एवं अनौपचारिक विधियों द्वारा मूल्यांकन,
- शिक्षण की समस्याएं, त्रुटि विश्लेषण एवं शिक्षण एवं अधिगम से संबंधित
- निदानात्मक एवं उपराचारात्मक शिक्षण।

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा।

प्रश्न पत्र 1, खण्ड - (IV), खण्ड का शीर्षक : पर्यावरण अध्ययन

- परिवार - आपसी संबंध, एकल एवं संयुक्त परिवार, सामाजिक बुराईयां (बाल विवाह, दहेज प्रथा, बालश्रम, चोरी), दुर्व्यसन (नशाखोरी, धूम्रपान) और इनके व्यक्तिगत, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणाम।
- वस्त्र एवं आवास - विभिन्न ऋतुओं में पहने जाने वाले वस्त्र, घर पर वस्त्रों का रख-रखाव, हस्त करघा तथा पावरलूम, जीव जन्तुओं के आवास, विभिन्न प्रकार के मानव-आवास, आवास और निकटवर्ती स्थानों की स्वच्छता, आवास निर्माण हेतु विभिन्न प्रकार की सामग्री।
- व्यवसाय - अपने परिवेश के व्यवसाय (कपड़े सिलना, बागवानी, कृषि कार्य, पशुपालन, सब्जीवाला आदि), लघु एवं कुटीर उद्योग, राजस्थान राज्य के प्रमुख उद्योग एवं हस्तकलाएं, उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यकता, सहकारी समितियां।
- हमारी सभ्यता, संस्कृति - राष्ट्रीय प्रतीक, राष्ट्रीय पर्व, राजस्थान के मेले एवं त्यौहार, राजस्थान की वेशभूषा एवं आभूषण, राजस्थान का खान-पान, राजस्थान की वास्तुकला, राजस्थान के पर्यटन स्थल, राजस्थान की प्रमुख विभूतियां एवं गौरव, राजस्थान की विरासत (प्रमुख दुर्ग, महल, स्मारक) राजस्थान की चित्रकला, राजस्थान की लोकोक्तियां, राजस्थान के लोकदेवता।
- राजस्थान का सामान्य ज्ञान
- परिवहन और संचार - यातायात और संचार के साधन, सडक पर चलने और यातायात के नियम, यातायात के संकेत, संचार साधनों का जीवन शैली पर प्रभाव।
- अपने शरीर की देख-भाल - शरीर के बाहय अंग और उनकी साफ-सफाई, शरीर के आंतरिक अंगों की सामान्य जानकारी, संतुलित भोजन की जानकारी और इसका महत्व, सामान्य रोग (आंत्रशोथ, अमीबायोसिस, एनिमिया, फ्लुओरोसिस, मलेरिया, डेंगू) उनके कारण और बचाव के उपाय, पल्स पोलियो अभियान।
- सजीव जगत - पादपों और जंतुओं के संगठन के स्तर, सजीवों में विविधता, राज्य पुष्प, राज्य वृक्ष, राज्य पक्षी, राज्य पशु, संरक्षित वन क्षेत्रों एवं वन्य जीव (राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभयारण्य, बाघ संरक्षित क्षेत्र, विश्व धरोहर) की जानकारी, पादपों तथा जंतुओं की जातियों का संरक्षण, कृषि पद्धतियां।
- जल - जल, वन, नमभूमि और मरूस्थल की मूलभूत जानकारी, विभिन्न प्रकार के प्रदूषण एवं इनका नियंत्रण, जल के गुण, जल के स्त्रोत, जल-प्रबंधन, राजस्थान में कलात्मक जल स्त्रोत, पेयजल व सिंचाई स्त्रोत।
- हमारी पृथ्वी व अंतरिक्ष - सौर परिवार, भारत के अंतरिक्ष यात्री।
- पवर्तारोहण- पर्वतारोहण में कठिनाईयां एवं काम आने वाले औजार, भारत की प्रमुख महिला पर्वतारोही।
- पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र एव संकल्पना।
- पर्यावरण अध्ययन का महत्व, समाकलित पर्यावरण अध्ययन, पर्यावरण शिक्षा के अधिगम सिद्धान्त, पर्यावरण अध्ययन का विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों के साथ अन्तर्सम्बन्ध एवं क्षेत्र,
- पर्यावरणीय शिक्षाशास्त्र- संकल्पना प्रस्तुतीकरण के उपागम। क्रियाकलाप, प्रयोग/प्रायोगिक कार्य, चर्चा। समग्र एवं सतत मूल्यांकन, शिक्षण सामग्री / सहायक सामग्री, शिक्षण की समस्याऐं, सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी।

➢ बहु विकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 1 से 5 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठयक्रम सत्र 2024-25 के आधार पर होगा लेकिन प्रश्नों का चयन एवं कठिनाई स्तर सैकण्डरी (कक्षा 10) तक का होगा